

# MSME PULSE

एमएसएमई पल्स

फ़रवरी 2021



श्री वी. सत्य वेंकट राव,  
उप प्रबंध निदेशक,  
सिडबी

एमएसएमई क्षेत्र में ऋण-संवृद्धि में पुनः तेज उछाल आया है और ईसीएलजीएस सहित सरकार के बड़े नीतिगत प्रोत्साहनों के कारण सितंबर 20 में 5.7% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर्ज की गई है। वैश्विक महामारी के दौरान एमएसएमई को समर्थन देने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सबसे आगे रहे हैं और चूंकि आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है, इसलिए निजी बैंक और एनबीएफसी भी ऋण की मांग में तेजी देख रहे हैं। जैसे जैसे हम विकास के पथ अग्रसर हो रहे हैं, हमें जोखिम वृद्धि के संकेतों की सावधानीपूर्वक निगरानी करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से, सूक्ष्म घटक में जो तुलनात्मक रूप से उच्च सीएमआर की अधोगति का साक्षी रहा है।

एमएसएमई ऋण संवृद्धि में पुनरुत्थान हुआ है एवं यह पूर्व-वैश्विक महामारी के स्तर पर वापस आ गया है। यह हमारे बाजारों में आर्थिक बहाली का एक बहुत ही आशाजनक संकेतक है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) इस पुनरुत्थान के प्रमुख चालक हैं क्योंकि उन्होंने ईसीएलजीएस दिशानिर्देशों का तेजी से अनुपालन करने और एमएसएमई के वित्तीयन को तेजी से लागू करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और ऋण सूचना समाधानों को पूरी समझदारी के साथ संभाला है। माननीय वित्त मंत्री द्वारा हाल ही में बजट घोषणा ने पिछले वर्ष की तुलना में एमएसएमई क्षेत्र में योगदान को दोगुना कर दिया है, जो इस क्षेत्र को और अधिक आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। ट्रांसयूनियन सिबिल इस क्षेत्र के सतत विकास का समर्थन करने के लिए सरकार, नियामक, उधारदाताओं और दूरस्थ सहायता आकांक्षी एमएसएमई इकाईयों सहित पारितंत्र के सभी घटकों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।



राजेश कुमार  
प्रबंध निदेशक एवं प्रधान कार्यपालक  
अधिकारी  
ट्रांसयूनियन सिबिल लिमिटेड

विश्लेषणात्मक संपर्क

ट्रान्सयूनियन सिबिल

विपुल महाजन

[vipul.mahajan@transunion.com](mailto:vipul.mahajan@transunion.com)

सलोनी सिन्हा

[saloni.sinha@transunion.com](mailto:saloni.sinha@transunion.com)

सिडबी

रंगदास प्रभावती

[erdav@sidbi.in](mailto:erdav@sidbi.in)

रमेश कुमार

[rameshk@sidbi.in](mailto:rameshk@sidbi.in)



## विषयसूची

कार्यपालक सारांश	01
एमएसएमई वित्तीयन में ऋण संवृद्धि	03
ऋणों का कार्यनिष्पादन एवं उसकी स्वास्थ्य जांच	08
ऋणदाता संचालित कार्यनीतियों में बदलाव	14
निष्कर्ष	20

## कार्यपालक सारांश

वाणिज्यिक ऋण पूछताछों में फिर से उछाल आ गया है और कोविड-19 पूर्व के स्तर को बनाए रखने और ऋण की मांग में पुनरुत्थान का संकेत है: अप्रैल 20 में वाणिज्यिक ऋण पूछताछ में वर्षानुवर्ष 60% तक कमी आई है। हालांकि, एमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) के द्वारा सरकार के आत्मनिर्भर भारत पहल से वाणिज्यिक ऋण पूछताछों में जून '20 में 58% की वर्षानुवर्ष बढ़ोतरी हुई है और अब दिसंबर 20 में लगभग 13% वर्षानुवर्ष वृद्धि पर स्थिर हैं, जो कोविड-19 पूर्व के स्तर की वृद्धि दर के समान है।

ईसीएलजीएस द्वारा एमएसएमई ऋण आपूर्ति में बढ़ोतरी हुई है, हालांकि अधिकांश प्रवर्तन (बैंक के लिए मौजूदा) ईटीबी घटक से हैं: ईसीएलजीएस की प्रकृति को देखते हुए, बैंक के मौजूदा एमएसएमई खातों को ऋण देने में तेजी आई है, जिसके कारण ईटीबी घटक में ऋण की गहरी पैठ हो गई है। सितंबर 20 में 30% एमएसएमई जिनके पास यथा मार्च 20 में मौजूदा सक्रिय ऋण था, उनको 2019 के दौरान समान समायावधि के 7% की तुलना में एक और ऋण सीमा प्राप्त हुई है।

एमएसएमई ऋण प्रवर्तन मेट्रो शहरों की तुलना में गैर-मेट्रो स्थानों पर अधिक है: गैर-मेट्रो स्थानों ने मेट्रो शहरों की तुलना में कम कठोर और छोटे लॉकडाउन का सामना किया था, जो गैर-मेट्रो स्थानों के एमएसएमई ऋण प्रवर्तन में परिलक्षित होता है, जिसने जून '20 में 157% और सितंबर में 20% की वर्षानुवर्ष वृद्धि का प्रदर्शन किया। इसकी तुलना में मेट्रो स्थानों ने जून '20 में 76% और सितंबर 20 में 12% प्रवर्तन कर कम वर्षानुवर्ष वृद्धि का प्रदर्शन किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) एमएसएमई ऋणों में अग्रणी बन कर उभरे हैं, इसके बाद निजी बैंकों का स्थान रहा है: पीएसबी ने प्रवर्तनों में वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की है जो सितंबर 20 में 30% रही - जो फरवरी 20 में कोविड-19 पूर्व स्तरों का लगभग दोगुना अर्थात 16% है। सितंबर 20 की अवधि के लिए निजी बैंकों की वर्षानुवर्ष प्रवर्तनों में वृद्धि 16% रही है। पीएसबी एमएसएमई वित्तीयन के अग्रदूत रहे हैं, यह बढ़त उन्होंने अप्रैल '20 के बाद से बनाए रखी है। हालांकि, दिसंबर 20 और जनवरी 21 की अवधि से हाल ही में पूछताछ के रुझानों में इस प्रवृत्ति के विपरीत हुआ, निजी बैंकों ने एमएसएमई ऋण फिर से शुरू कर दिया है और वे तेजी से इस अंतर को कम कर रहे हैं।

100% क्रेडिट गारंटी योजना के कारण कोविड-19 पूर्व स्तरों की तुलना में अनुमोदन दरों में वृद्धि हुई है: कोविड-19 पूर्व स्तरों की तुलना में जून '20 में अनुमोदन दरों में लगभग 1.5 गुना वृद्धि हुई है। अनुमोदन दरों में वृद्धि पीएसबी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जो कोविड पूर्व स्तरों की तुलना में लगभग 2 गुना बढ़ी है। अनुमोदन दरों में वृद्धि उच्च जोखिम वाले एमएसएमई लाभार्थियों को दिए गए अनुमोदनों के कारण हुई है जिनका एमएसएमई रैंक (सीएमआर) 7 से 10 है यह सावधानी की आवश्यकता को दर्शाता है और इन संविभागों की नियमित निगरानी करने की आवश्यकता है।

उपभोक्ता विवेकाधीन खर्च और सूक्ष्म ऋण घटक क्षेत्रों में उच्च सीएमआर पदावनति देखी जा रही है: वैश्विक महामारी से संबंधित आर्थिक गतिविधि के कारण उधारकर्ताओं के क्रेडिट प्रोफाइल में गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष पूर्व इसी अवधि की तुलना में सितंबर 19 - सितंबर 20 की अवधि में उच्च सीएमआर पदावनति हुई है। हालांकि, यह पदावनति, मोटे तौर पर सूक्ष्म घटक के उपभोक्ता प्रधान खर्च क्षेत्रों की तुलना में उपभोक्ता विवेक खर्च क्षेत्रों के लिए के लिए बहुत अधिक है।

ऋण आपूर्ति में त्वरण के कारण सितंबर 20 की चूक दरें 12.1% पर स्थिर हैं: सितंबर'20 में एमएसएमई घटक की एनपीए दरें 12.1% पर स्थित हैं, जो पिछले वर्ष (सितंबर'19 में 12.5%) के समान है, लेकिन पिछली तिमाही (जून'20 में 13.0%) से कम है। जून'20 के बाद से एमएसएमई घटक में उच्च ऋणों के संचार ने एनपीए दरों को एक मजबूत भाजक प्रदान किया है। हालांकि, दिशा-निर्देशों में बदलाव के कारण एनपीए की दरों में बदलाव हो सकता है।

ऋण बकाया शेष वृद्धि दर अंग्रेजी वी आकार की वसूली प्रवृत्ति दर्शा रही है: मार्च 20 के अंतिम 10 दिन के दौरान लॉकडाउन से एमएसएमई ऋण गतिविधि में बाधा हुई है। भारत में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक ऋण सक्रियता रहती है। ऋण बकाया शेष वृद्धि में मार्च 20 के दौरान वर्षानुवर्ष तुलना में 3.9% की गिरावट दर्ज हुई है। ईसीएलजीएस के उपरांत ऋण गतिविधि में पुनः उछाल आया है और सितंबर '20 तक क्रेडिट बकाया शेष राशि में 5.7% की वर्षानुवर्ष वृद्धि हुई।

# एमएसएमई वित्तीयन में ऋण संवृद्धि

भारत में तुलन-पत्र के अनुसार कुल वाणिज्यिक ऋण एक्सपोजर 2.1% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर के साथ सितंबर 20 में ₹71.25 लाख करोड़ रुपये था। एमएसएमई घटक का ऋण एक्सपोजर 20 सितंबर तक ₹19.09 लाख करोड़ रुपये है, जो 5.7% की वृद्धि दर दिखाता है और एमएसएमई वित्तीयन के सभी उप-क्षेत्रों में यह ऋण वृद्धि देखी गई है।<sup>1</sup>

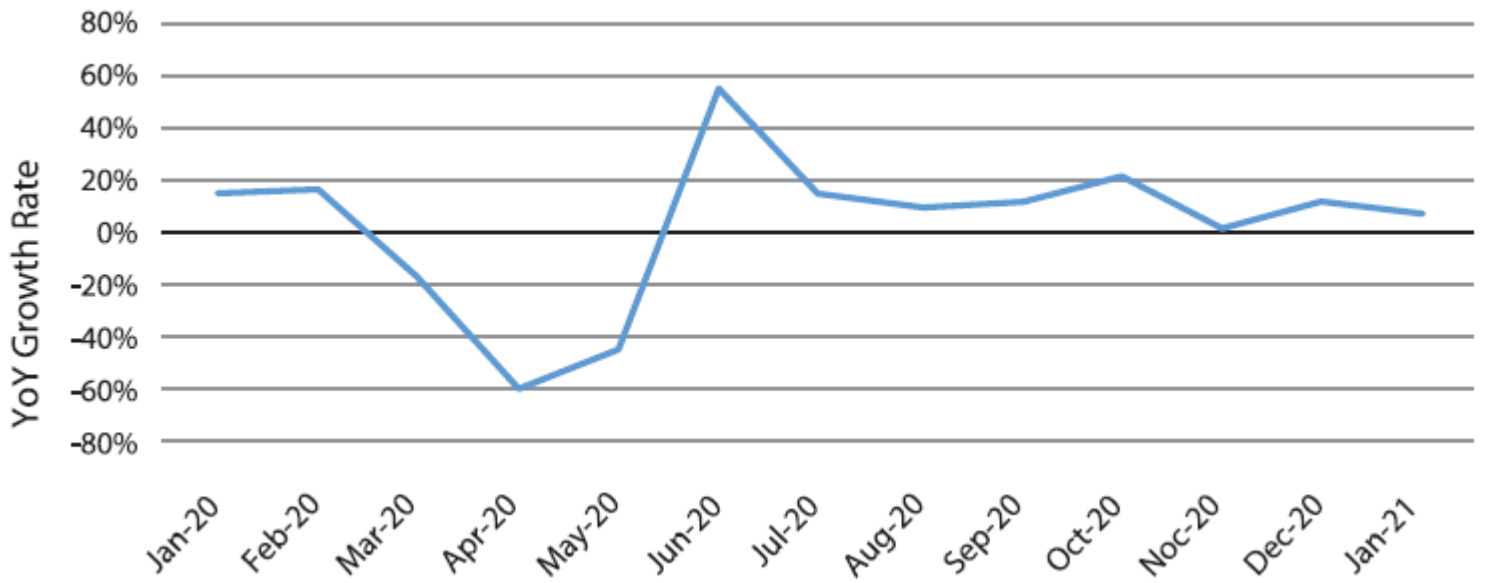
प्रदर्श 1: तुलन-पत्रों के आधार पर वाणिज्यिक ऋण एक्सपोजर ( ₹ लाख करोड़ में)

	Very Small <₹10 Lakhs	Micro 1 ₹10-50 Lakhs	Micro 2 ₹50 Lakhs- 1 Crores	Small ₹1-10 Crores	Medium1 ₹10-25 Crores	Medium2 ₹25-50 Crores	Large >₹50 Crores	Overall
Jun'18	0.78	1.91	1.30	6.51	3.27	2.67	44.90	61.33
Sep'18	0.82	2.02	1.37	6.84	3.38	2.75	48.93	66.11
Dec'18	0.85	2.10	1.42	7.04	3.45	2.78	49.99	67.63
Mar'19	0.88	2.18	1.48	7.29	3.55	2.87	52.33	70.59
Jun'19	0.88	2.14	1.45	7.23	3.48	2.79	51.79	69.77
Sep'19	0.89	2.20	1.47	7.25	3.47	2.78	51.50	69.57
Dec'19	0.92	2.23	1.50	7.33	3.48	2.77	51.49	69.73
Mar'20	0.93	2.19	1.45	7.02	3.33	2.62	52.03	69.58
Jun'20	0.93	2.27	1.51	7.39	3.55	2.80	53.46	71.92
Sep'20	0.94	2.34	1.57	7.68	3.68	2.89	52.17	71.25
Y-o-Y growth	7.0%	9.0%	8.0%	6.2%	5.6%	3.6%	0.7%	2.1%

जबकि पोर्टफोलियो स्तर की ऋण वृद्धि अक्सर आधार प्रभाव, वृद्धिशील वित्तीयन से विषम होती है, अर्थात्, नए प्रवर्तन इस क्षेत्र में ऋण गतिविधि की स्पष्ट तस्वीर दर्शाते हैं। एमएसएमई पल्स के पहले संस्करण में, हमने देखा है कि कैसे कोविड-19 के कारण लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन ने मार्च 20 से मई की अवधि के दौरान ऋण की मांग को ठप कर दिया। लेकिन, ईसीएलजीएस जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहन पैकेज ने ऋण मांग और आपूर्ति को पूर्व-कोविड-19 के स्तर पर वापस लाने में मदद की है। वाणिज्यिक ऋण पूछताछ में वृद्धि के वर्षानुवर्ष रुझानों से पता चलता है कि एमएसएमई क्षेत्र में ऋण की मांग फिर से बढ़ी है। अप्रैल-20 और मई-20 के दौरान तेज गिरावट के बाद, जून-20 में पूछताछों में ईसीएलजीएस के कारण वापस उछाल आई है। अब क्रेडिट पूछताछ में वृद्धि कोविड-19 पूर्व स्तर पर बनी हुई है।

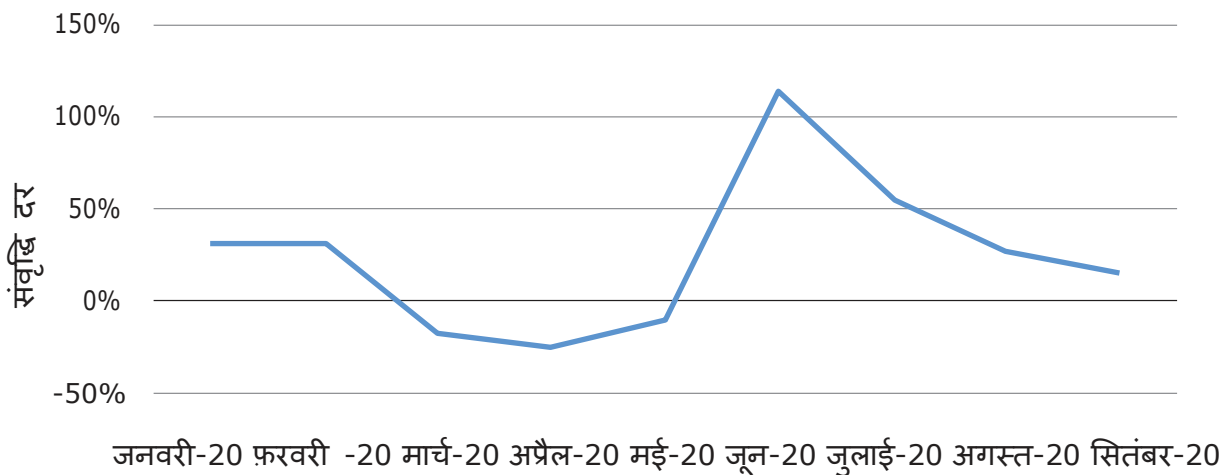
- 1 वाणिज्यिक ऋण इकाई स्तर पर एकत्रित ऋण एक्सपोजर के आधार पर वर्गीकृत, अति लघु: < 10लाख; सूक्ष्म 1: 10लाख -50लाख; सूक्ष्म 2 : 50लाख -1करोड़; लघु : ≥1 करोड़ ≥ 10 करोड़; मध्यम 1: ≥ 10 करोड़ < 25करोड़; मध्यम 2: ≥ 25 करोड़ <50 करोड़; बड़े 50 करोड़ ≥ है। सूक्ष्म घटक में अति लघु, सूक्ष्म1 और सूक्ष्म 2 घटक शामिल हैं और मध्यम घटक में मध्यम1 और मध्यम2 शामिल हैं

## प्रदर्श 2: वाणिज्यिक ऋण पूछताछों की मात्रा में वर्षानुवर्ष वृद्धि



ऋण की मांग के अनुरूप, एमएसएमई ऋण उत्पत्तियां दर्शाती हैं कि जनवरी ' 20 और फरवरी ' 20 के दौरान, नए ऋण उत्पत्ति की संख्या के मामले में वृद्धि दर 30% से अधिक थी, जो मार्च ' 20 और अप्रैल ' 20 में काफी कम हो गई । हालाँकि, ईसीएलजीएस के प्रारंभ से ऋण की उत्पत्तियां जून'20 में सर्वाधिक रही, इसमें जून'19 की तुलना में 115% की वृद्धि हुई और एक साल पहले इसी समयावधि की तुलना में उच्च बनी हुई है।

## प्रदर्श 3: राशि के अनुरूप एमएसएमई ऋणों की उत्पत्तियों की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर



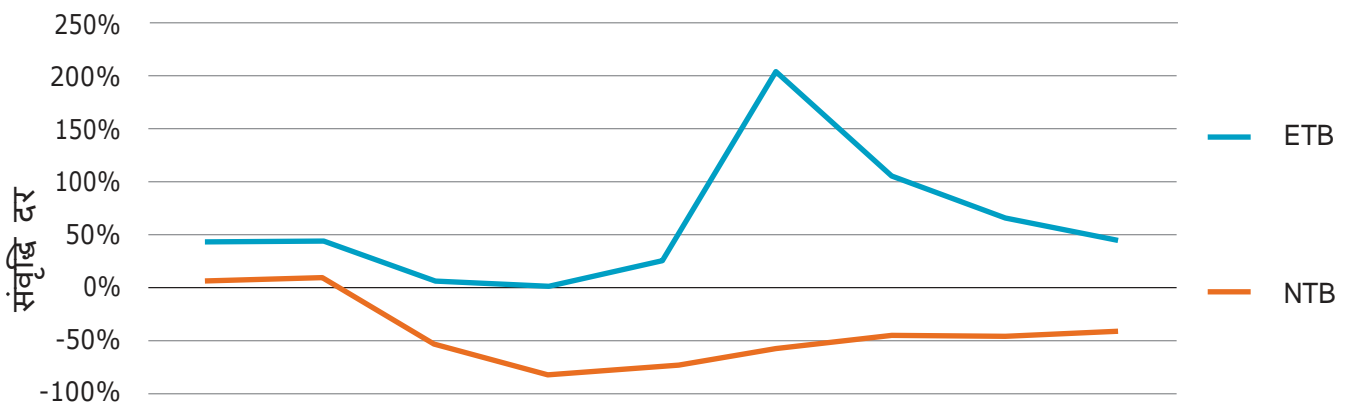


## उधारकर्ताओं के प्रकार के अनुसार ऋण गतिविधि

जिन उधारकर्ताओं को पूर्व में ऋण मंजूर किए गए थे, उन्हें उधारदाताओं के साथ उनके मौजूदा संबंधों के आधार पर आगे वर्गीकृत किया जाता है। जिन उधारकर्ताओं का ऋणदाता के साथ मौजूदा वाणिज्यिक ऋण संबंध था, उन्हें बैंक के वर्तमान ग्राहक (ईटीबी) के रूप में परिभाषित किया गया है, ऐसे उधारकर्ता जिनका संबंधित ऋणदाता या किसी अन्य ऋणदाता के साथ वाणिज्यिक ऋण संबंध नहीं होता उन्हें बैंक के लिए नए ग्राहक (एनटीबी) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

एमएसएमई ऋण उत्पत्ति में मजबूत उछाल ईटीबी घटक द्वारा समर्थित है। यह मुख्य रूप से ईसीएलजीएस के स्वरूप के कारण है जहां मौजूदा उधारकर्ताओं को 20% ऋण का विस्तार करने के दिशानिर्देश हैं। ईसीएलजीएस के संचार के पहले महीने में ईटीबी ऋण उत्पत्ति में वर्षानुवर्ष वृद्धि 200% को पार कर गई। तब से उछाल कम हो गया, लेकिन ईटीबी उत्पत्ति के लिए उछाल जारी है। दूसरी ओर एनटीबी उत्पत्तियां कोविड-19 पूर्व के स्तर को प्राप्त करने के लिए कठिनाई का अनुभव कर रही है।

### प्रदर्श 4: उधारकर्ता के प्रकार के अनुसार उत्पत्ति शेषों की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर

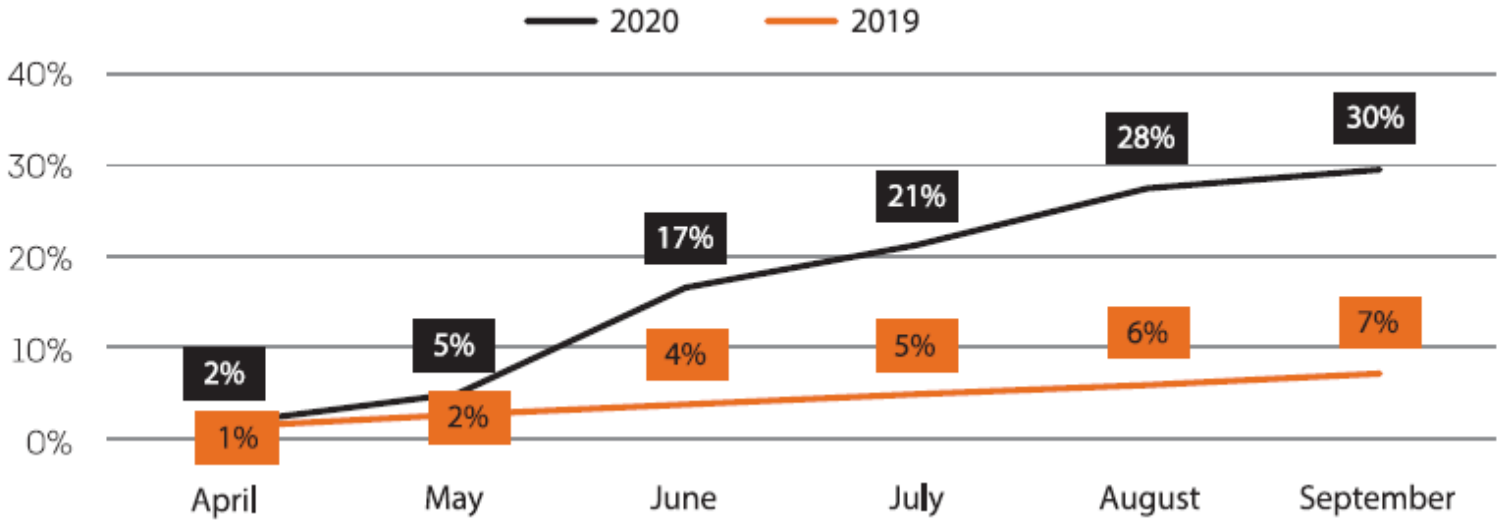


जनवरी-20 फरवरी -20 मार्च-20 अप्रैल-20 मई-20 जून-20 जुलाई-20 अगस्त-20 सितंबर-20

ईटीबी वित्तीयन के उच्च अनुपात के कारण बैंकों के मौजूदा एमएसएमई ऋण उधारकर्ताओं के ऋणों की गहरी पैठ हो गई है। 2020 में उन सभी एमएसएमई जिनके मार्च 20 तक सक्रिय ऋण थे उनमें 30% को 6 महीनों में एक और ऋण मिला है; 2019 में इसी अवधि की तुलना में यह केवल 7% था। 2020 में यह प्रवृत्ति ईसीएलजीएस की शुरुआत के पहले ही दिखनी शुरू हो गई थी, लेकिन ईसीएलजीएस की शुरुआत के बाद यह और स्पष्ट हो गई।



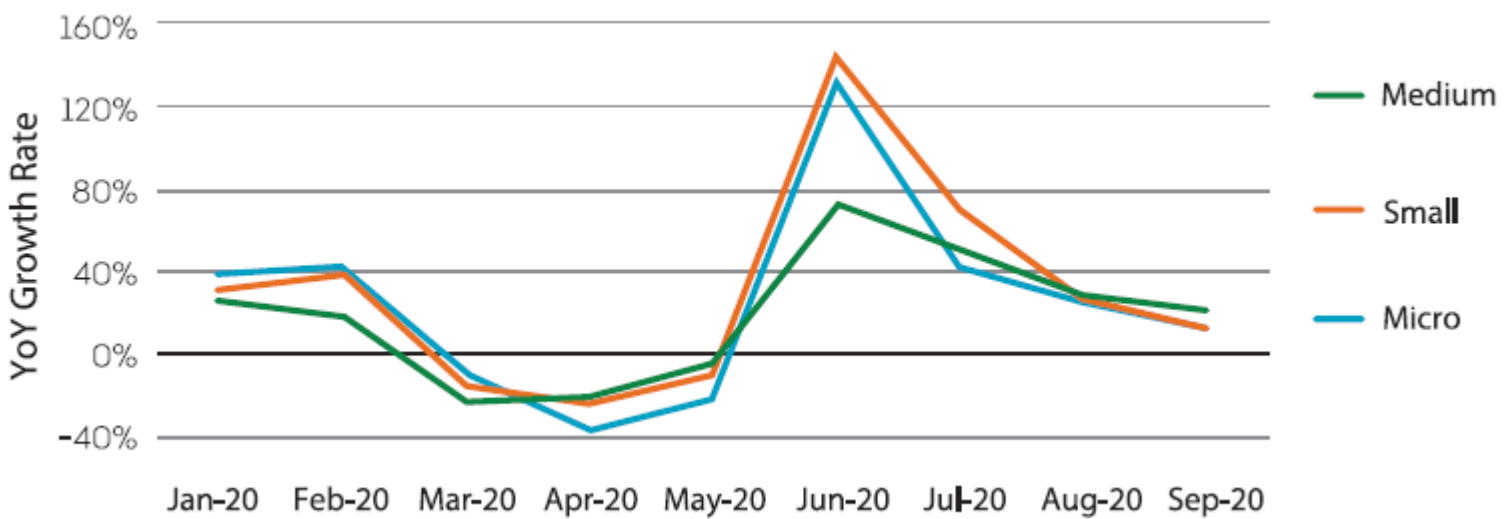
**प्रदर्श 5: मार्च में सक्रिय एमएसएमई का संचयी% जिन्हें बाद के 6 महीनों में ऋण प्रदान किया गया**



**उधारकर्ता के घटकों के अनुसार ऋण गतिविधि**

उत्पत्तियों की घटक-वार संवृद्धि सभी उप-घटकों में एक समान प्रवृत्ति दिखाती है। एमएसएमई घटक के भीतर, सूक्ष्म और लघु घटक शुरू में 25 करोड़ की सीमा के नियम के कारण ईसीएलजीएस के शुरुआती लाभार्थी हैं। 25 करोड़ से अधिक के मध्यम घटक को बाद में शामिल किया गया था, इसलिए मध्यम खंड की उत्पत्तियों में वृद्धि अगस्त 20 से दिखनी शुरू हो जाती है। सभी उप-घटकों की ऋण उत्पत्ति में वर्षानुवर्ष वृद्धि कोविड-19 पूर्व स्तर पर वापस आ गई है।

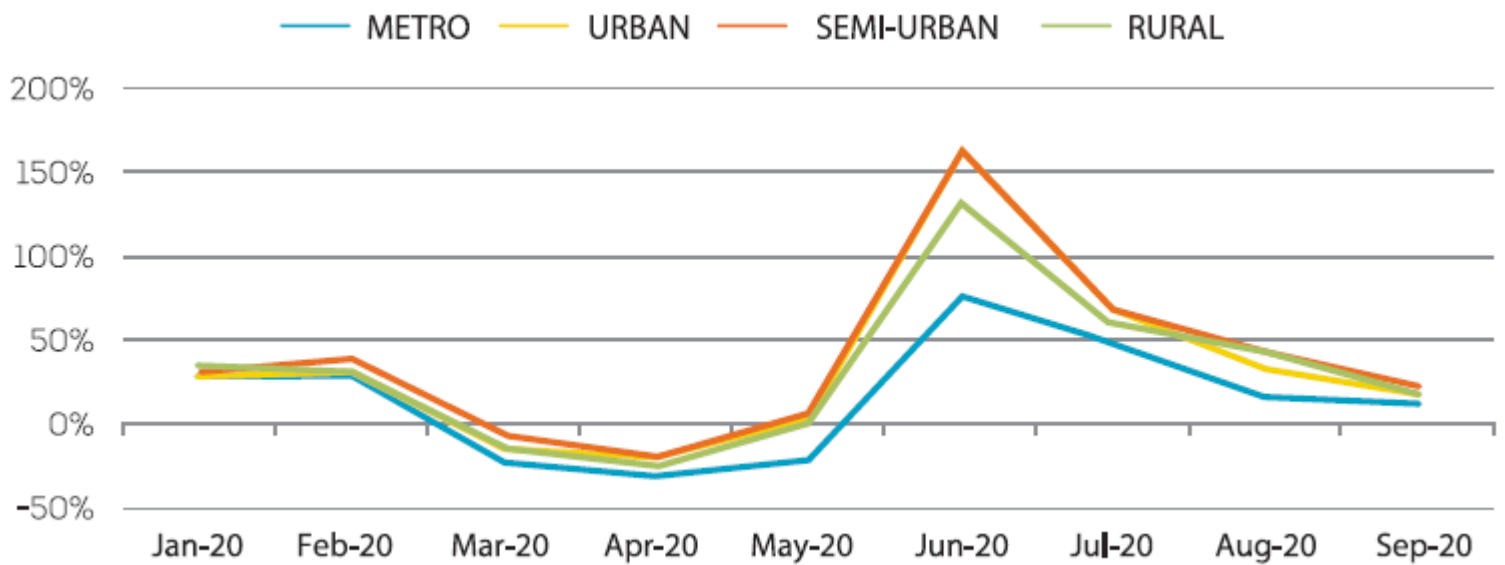
**प्रदर्श 6: घटक वार शेषों की उत्पत्तियों की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर**



## क्षेत्र के अनुसार ऋणों की गतिविधि

भौगोलिक क्षेत्रों में गहन दृष्टिपात करने पर शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संवितरण की प्रवृत्तियां एकसमान हैं, जिन्होंने मेट्रो क्षेत्रों की तुलना में जून 20 में संवितरण में तेजी से वृद्धि दर्ज की। लेकिन, कुल मिलाकर सभी क्षेत्रों को ईसीएलजीएस हस्तक्षेप से लाभ हुआ। एमएसएमई पल्स के पहले संस्करण में हमने यह भी देखा कि ऋण संवितरण के मामले में मेट्रो क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र था। मेट्रो क्षेत्र संवितरण में मामूली सुधार हुआ है लेकिन वर्षानुवर्ष वृद्धि अभी भी जनवरी ' 20 और फरवरी 20 में वर्षानुवर्ष संवितरण वृद्धि की तुलना में अगस्त 20 और सितंबर ' 20 की अवधि के दौरान कम रही है।

### प्रदर्श 7: राशि के अनुसार एमएसएमई ऋणों की उत्पत्तियों में वर्षानुवर्ष क्षेत्रवार वृद्धि दर



# ऋणों का कार्यनिष्पादन और उनकी स्थिति की जांच

## जोखिम पृष्ठभूमि में अवस्थान्तर

सिबिल एमएसएमई रैंक के अवस्थान्तर की निगरानी सितंबर 19 से सितंबर 20 तक 1 साल की अवधि में उधारकर्ताओं के लिए की गई और अवस्थान्तर की निगरानी सीएमआर 1-3, सीएमआर 4-5, सीएमआर 6-7 और सीएमआर 8-10 की रैंक समूहों के लिए की गई है। यह देखा गया है कि 36% उधारकर्ता जो सितंबर 19 में सीएमआर 1-3 की श्रेणी में थे, वे सितंबर '20 में निचली श्रेणी समूह में अवनत हो गए और 15% उधारकर्ता जो सितंबर 19 में सीएमआर 4-5 श्रेणी समूह में थे वे सितंबर '20 में उच्च रैंक श्रेणी में उन्नत हो गए।

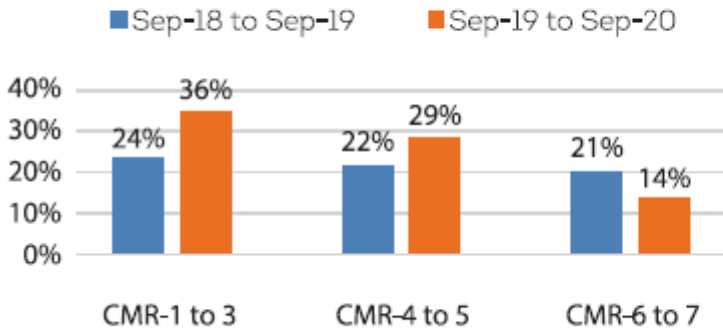
**प्रदर्श : सितंबर-19 से सितंबर 20 तक सीएमआर का ट्रांजिशन मैट्रिक्स**

		CMR as of Sep-20				Downgrades	Upgrades
		CMR 1-3	CMR 4-5	CMR 6-7	CMR 8-10		
CMR as of Sep-19	CMR 1-3	64%	26%	6%	3%	36%	
	CMR 4-5	15%	56%	19%	10%	29%	15%
	CMR 6-7	7%	24%	55%	14%	14%	31%
	CMR 8-10	1%	6%	19%	74%		26%

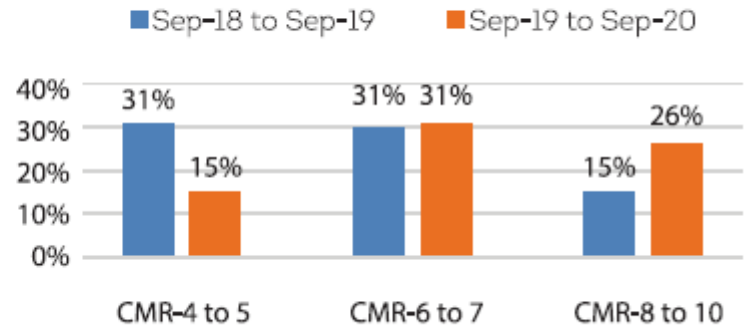
सितंबर-19 से सितंबर-20 की अवधि के उधारकर्ताओं के जोखिम समूह के अवस्थान्तर की तुलना सितंबर-18 से सितंबर-19 के लिए अवस्थान्तर से की गई है। वैश्विक महामारी के कारण होने वाली आर्थिक मंदी ने अवनति में बढ़ोतरी प्रारंभ हो गई है, हालांकि नीति स्तर के हस्तक्षेप से सीएमआर 8-10 के डिफॉल्ट रैंकों में और गिरावट को नियंत्रित करने में मदद मिली है। सीएमआर 1-3 में कम जोखिम वाले उधारकर्ताओं के लिए सीएमआर की अवनति सितंबर 18 से 19 की अवधि में 24% थी, जो एक साल बाद सितंबर '19 से सितंबर '20 तक की इसी समयावधि में 36% हो गयी है। इसी तरह की डाउनग्रेड प्रवृत्ति सीएमआर 4-5 के मध्यम जोखिम वाले घटक में देखी गई है, जिसकी अवनति सितंबर 18 से सितंबर 19 तक 22% थी और उसके अगले साल यह बढ़कर 29% हो गयी।

**प्रदर्श 9: विगत दो वर्षों में सीएमआर अवनति और उन्नति**

**Downgrades in CMR**



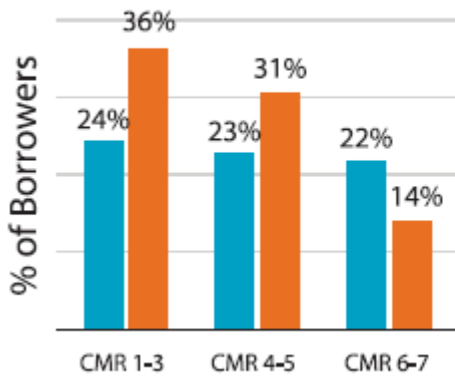
**Upgrades in CMR**



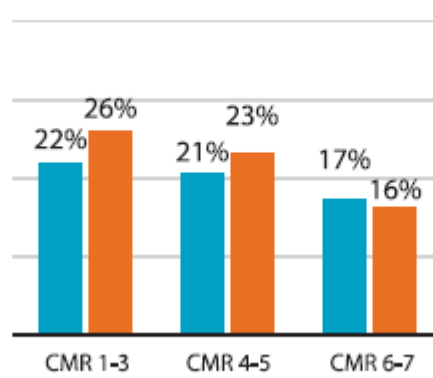
सभी घटकों में सीएमआर अवनति को आगे देखते हुए यह पाया गया है कि आर्थिक मंदी के कारण सूक्ष्म घटक सबसे अधिक प्रभावित हुआ है क्योंकि इस घटक में लघु और मध्यम घटक की तुलना में सीएमआर अवनति की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है। सितंबर 19 से शुरू होकर सितंबर 20 तक की अवधि के सीएमआर 1-3 समूह में सूक्ष्म घटक के उधारकर्ताओं की सीएमआर अवनति पिछली समयावधि के 24% की तुलना में 36% है।

**प्रदर्श 10: विभिन्न घटकों में सीएमआर अवनति**

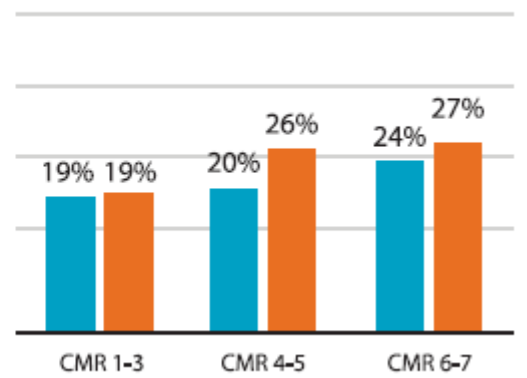
**Micro**



**Small**

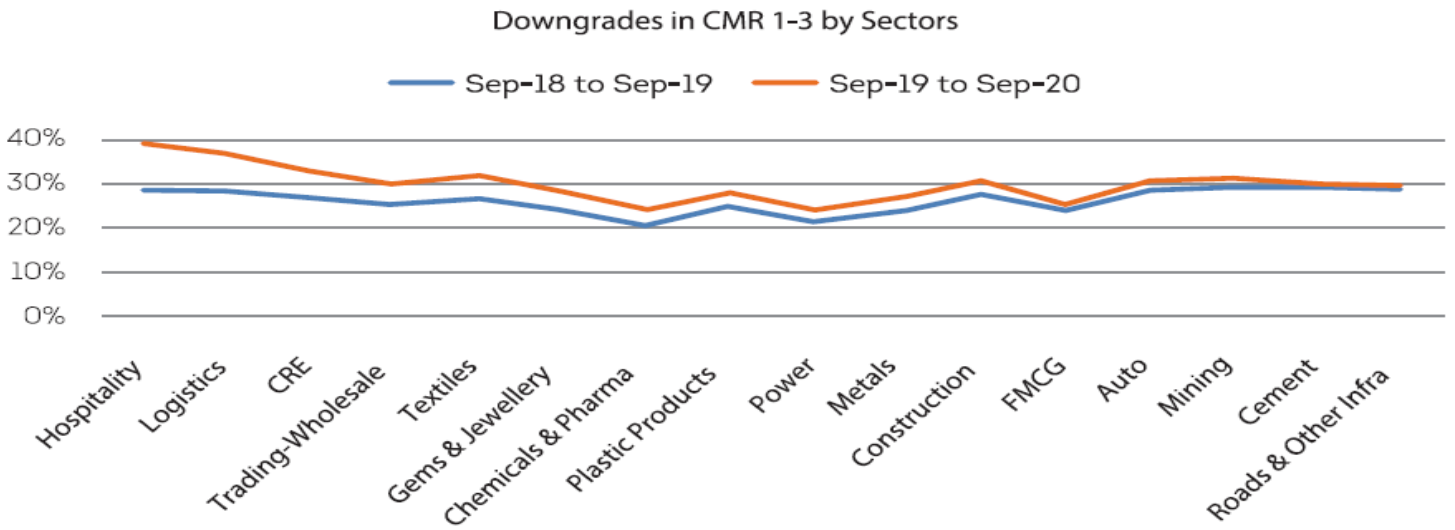


**Medium**



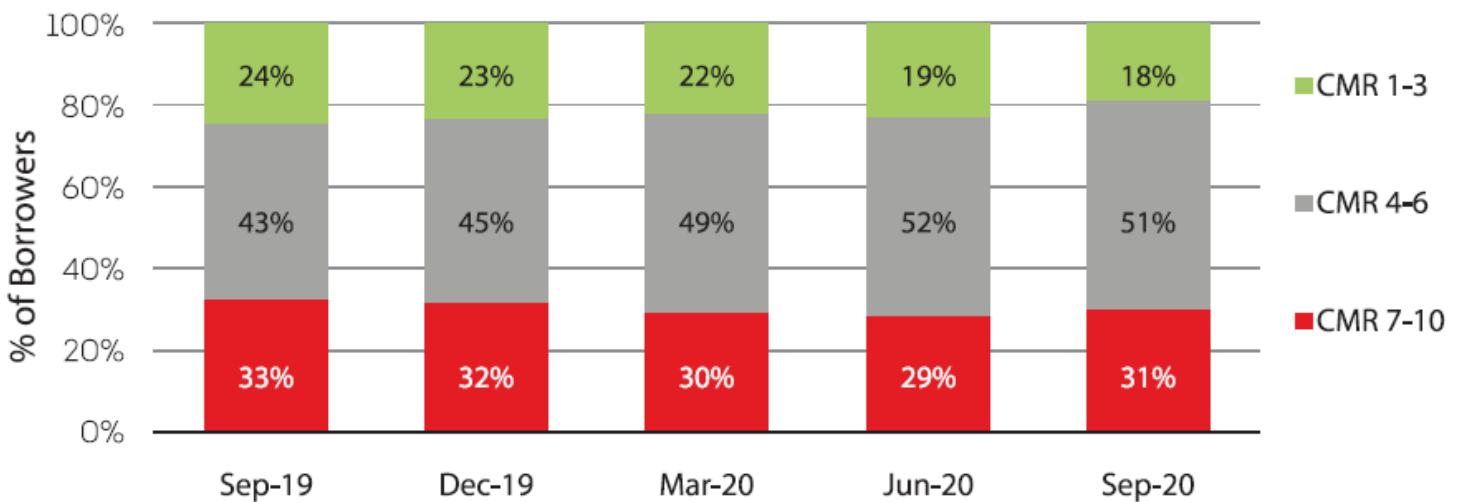
सभी क्षेत्रों में सीएमआर की अवनति पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अधिकांश क्षेत्रों में सितंबर 18 से सितंबर की अवधि की तुलना में सितंबर 19 से सितंबर 20 की अवधि के दौरान श्रेणी में गिरावट अधिक है। लेकिन यह गिरावट उपभोक्ता विवेकाधीन खर्च क्षेत्रों जैसे होस्पिटालिटी, लॉजिस्टिक्स और वस्त्रों के लिए सबसे अधिक है। ऑटो, इंफ्रास्ट्रक्चर और एफएमसीजी जैसे उपभोक्ता उपयोगी /अनिवार्य घटकों में यह गिरावट अपेक्षाकृत रूप से कमतर है।

## प्रदर्श 11: विभिन्न घटकों में सीएमआर अवनति <sup>2</sup>



इसके परिणामस्वरूप मध्यम जोखिम वाले उधारकर्ताओं का समूह तेजी से बढ़ा है। सितंबर-19 के 43% की तुलना में सितंबर-20 तक के उधारकर्ताओं का 51% सीएमआर 4-6 की श्रेणी में है। सीएमआर 4-6 के मध्यम जोखिम वाले घटक में अवस्थान्तर सीएमआर 1-3 के कम जोखिम वाले घटक के कारण हुआ है। हालांकि, सीएमआर 7-10 का उच्च जोखिम घटक, अभी भी 31% पर स्थिर है।

## प्रदर्श 12: सीएमआर के आधार पर एमएसएमई संविभाग का वितरण



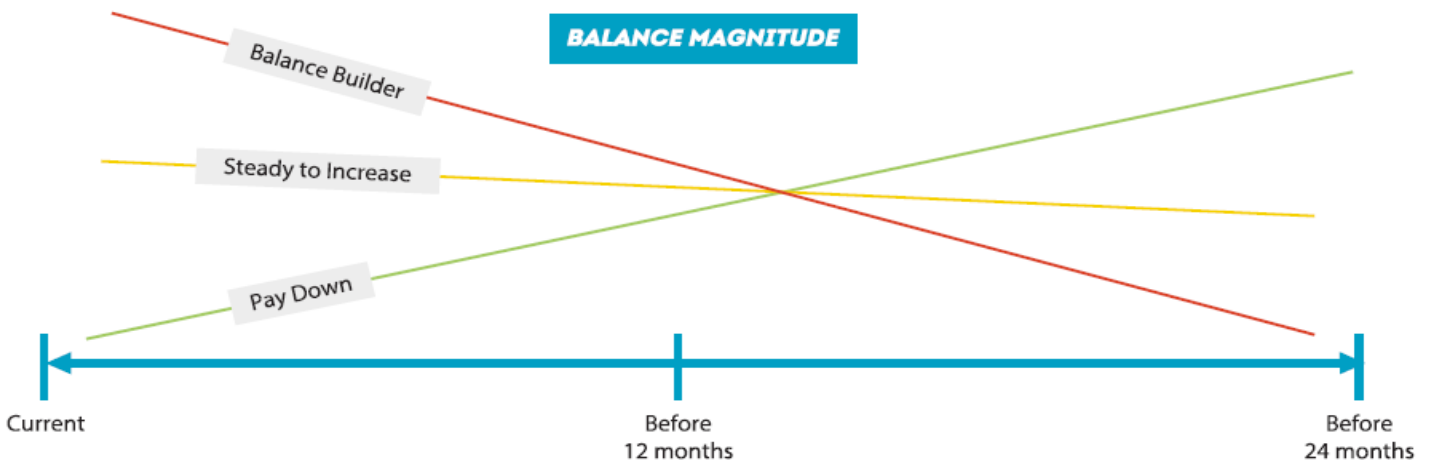
<sup>22</sup> होस्पिटैलिटी क्षेत्र में होटल, रेस्तरां, पर्यटन शामिल हैं; सीआरई वाणिज्यिक रियल एस्टेट है, जिसमें मुख्य रूप से वाणिज्यिक संपत्ति पर एलएपी होगा; धातुओं में लोहा, स्टील और गैर-लोहा धातुएं शामिल हैं; ऑटो में ऑटो घटक, विनिर्माण और डीलरशिप भी शामिल है

## अच्छे उधारकर्ताओं को और अलग करने के लिए प्रवृत्त एल्गोरिदम

हाल की तिमाहियों में ऋण अधिशेषों में त्वरित वृद्धि - विशेष रूप से मध्यम जोखिम और उच्च जोखिम वाले घटकों के मामले संविभाग की सुदृढ़ निगरानी की आवश्यकता दर्शाते हैं। क्रेडिटविजन (सीवी) विशेषताओं और एल्गोरिदम का उपयोग करके 24 महीनों की अवधि में नकद ऋण और ओवरड्राफ्ट ऋण जैसी परिक्रामी ऋण सुविधाओं के लिए क्रेडिट बैलेंस में प्रवृत्ति के चलन का विश्लेषण किया गया है। यह क्रेडिट ब्यूरो डेटा के आगे अलगाव को सक्षम बनाता है और जब सीएमआर के साथ संयोजन के रूप में उपयोग किया जाता है, तो एक तेज जोखिम विभेदन प्रदान करता है। इस विश्लेषण के उद्देश्य के लिए हम क्रेडिटविजन बैलेंस परिमाण (BALMAG) परिवर्ती का उपयोग करेंगे जिसे निम्नलिखित श्रेणियों में परिभाषित किया जा सकता है।

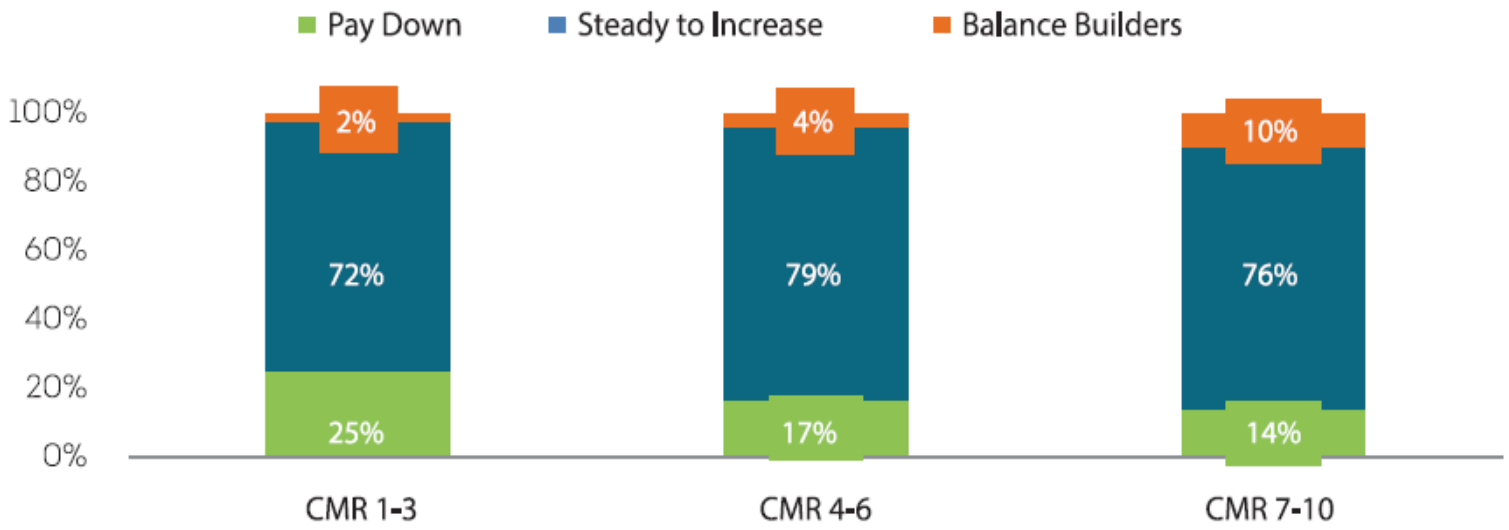
- बकाया राशि की चुकौती का परिमाण उन संस्थाओं की प्रवृत्ति को संदर्भित करता है जिनमें विगत दो वर्षों के दौरान बकाया राशि की चुकौती में कमी की प्रवृत्ति रही है
- बकाया राशि में परिवर्तन के परिमाण को स्थिरता से वृद्धि करने वाली वे संस्थाएँ हैं जो या तो एक स्थिर संतुलन प्रवृत्ति या एक सीमांत बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित करती हैं ।
- बकाया राशि निर्माता - ये ऐसी संस्थाएँ हैं जो बकाया राशि में लगातार बढ़ती प्रवृत्ति को प्रदर्शित करती हैं।

### प्रदर्श 13: बालमैग के आधार पर संस्थाओं का वर्गीकरण



सितंबर 20 तक चुकौती का अनुपात, स्थिर से बढ़ोतरी और बकाया राशि निर्माता उधारकर्ता 19%, 76% और 5% है। बकाया राशि निर्माता उधारकर्ता का हिस्सा 10% है, जो सीएमआर 7-10 जोखिम घटक में सबसे अधिक है, जबकि यह सीएमआर 1-3 सेगमेंट में सबसे कम है।

## प्रदर्श 14: सीएमआर के अनुसार बालमैग घटक का वितरण



एमएसएमई संस्थाओं के सीएमआर और बालमैग (शेष राशि परिमाण) को मैप किया जाता है और खराब दर देखी जाती है। खराब दर को पूर्ववत् ही अगले 12 महीनों में देखे गए 90 दिन + देय तिथि के पश्चात बीते दिनों (डीपीडी) के अनुसार परिभाषित किया गया है। जोखिम अंतर में से एक के रूप में बालमैग का उपयोग करते हुए हम एक ही जोखिम समूह में अपेक्षाकृत बेहतर उधारकर्ताओं को पा सकते हैं। मध्यम जोखिम वाले एमएसएमई (सीएमआर 4-6) के लिए, बकाया राशि चुकौती करने वाले घटक में संस्थाएं 8% की डिफॉल्ट दर को देख रही हैं, जबकि एक ही जोखिम घटक में, शेष राशि निर्माता खराब दर का 24% दिख रहे हैं, जो बकाया राशि की चुकौती करने वाले उधारकर्ताओं की खराब दर से 3 गुना अधिक है। यह सीएमआर 4-6 घटक के उधारकर्ताओं के बीच भी कम जोखिम वाले उधारकर्ताओं का चयन करने में सक्षम बनाता है। इसी तरह की प्रवृत्ति सीएमआर 7-10 सेगमेंट में देखी जाती है, जहां बालमैग बकाया राशि चुकौती करने वाले और शेष राशि निर्माता के लिए क्रमशः 62% से 83% तक जोखिम को अलग करने में सक्षम है।

## प्रदर्श 15: सीएमआर द्वारा खराब दर

### सीएमआर के अनुसार खराब दर

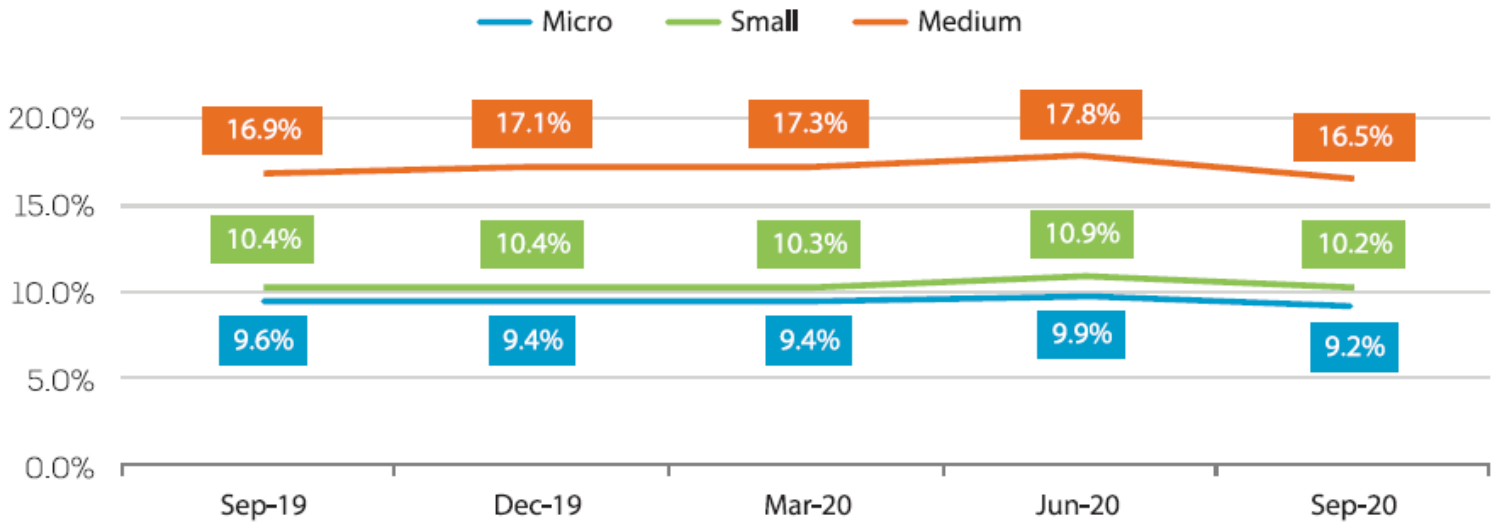
बालमैग	सिबिल एमएसएमई श्रेणी (सीएमआर)			समग्र
	सीएमआर 1-3	सीएमआर 4-6	सीएमआर 7-10	
चुकौती करने वाले	3%	8%	62%	16%
स्थिर से बढ़ोतरी	3%	13%	73%	23%
शेष राशि निर्माता	6%	24%	83%	43%
समग्र	3%	12%	73%	23%



क्रेडिटविजन और एल्गोरिदम, सिबिल एमएसएमई श्रेणी में एक अतिरिक्त अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और उधारकर्ता के विभिन्न आयामों की गहन जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं, इस प्रकार यह उधारदाताओं को सीएमआर के आसपास तदनुकूल नीतियां बनाने में सक्षम बनाता है।

एमएसएमई वित्तीयन में समग्र एनपीए दर जून'20 तक स्थिर रही, और सितंबर 20 में सभी उप-घटकों में कम हो गई। एमएसएमई उप-घटकों के भीतर, बड़े टिकट आकार वाले उप-घटकों के लिए एनपीए दरें अधिक हैं। उप-घटकों में एनपीए दरों में कमी ईसीएलजीएस के बाद से उच्च ऋण आपूर्ति के कारण है। दिशानिर्देश आने के पश्चात एनपीए दरों में बदलाव हो सकता है।

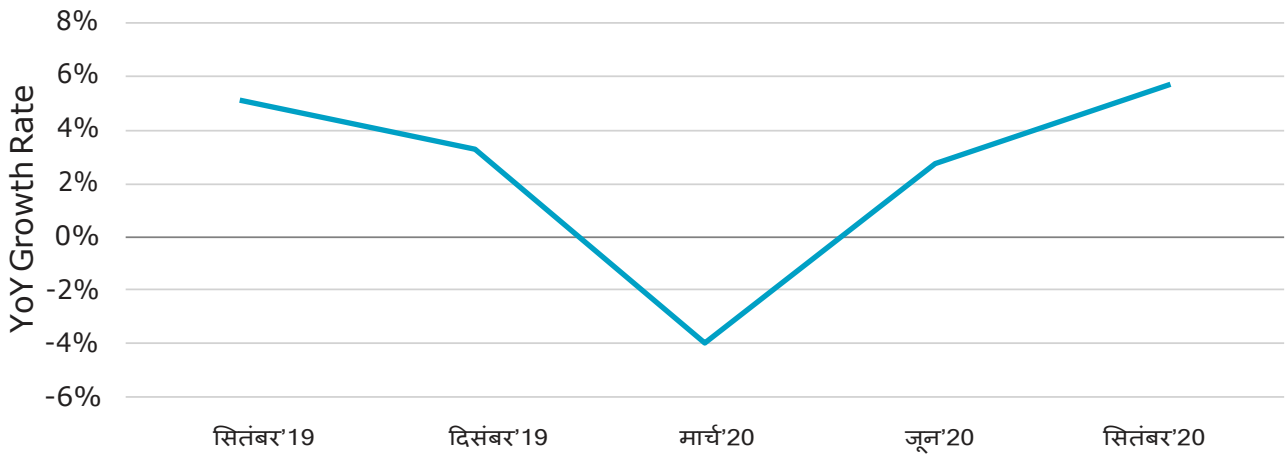
**प्रदर्श 16: घटक वार एनपीए दर**



## उधारदाता की कार्यनीतियों में बदलाव

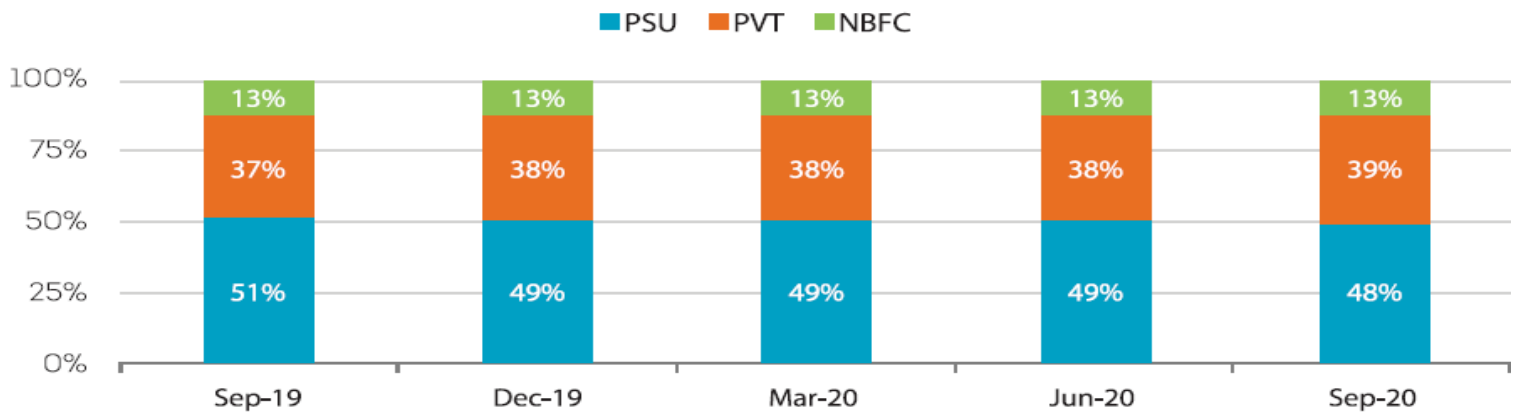
वैश्विक महामारी की शुरुआत में उधार में भारी गिरावट के बावजूद, उधारदाताओं ने बाद में एमएसएमई को ऋण देने के अवसरों का भरपूर लाभ उठाया है। उधार के बकाया की वर्षानुवर्ष संविभाग संवृद्धि में दिसंबर 2019 में 3.3% की मंदी देखी गई उसके बाद मार्च 2020 में संविभाग में 3.9% की नकारात्मक संवृद्धि देखी गई। लेकिन ईसीएलजीएस के समर्थन और उधारदाताओं द्वारा इस योजना को तेजी से अपनाने के साथ, उधार की राशि में एक मजबूत बदलाव देखा गया। एमएसएमई उधार की बकाया राशि बढ़कर जून 2020 में वर्षानुवर्ष 3.3% हो गई और सितंबर 2020 में वर्षानुवर्ष 5.7% तक बढ़ गई।

### प्रदर्श 17: राशि की दृष्टि से एमएसएमई उधार की वर्षानुवर्ष संविभाग संवृद्धि



शेष राशियों की दृष्टि से बाजार हिस्से में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। अलबत्ता, उधारदाता बाजार के नवीनतम बदलावों के प्रति अलग तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

### प्रदर्श 18: सभी उधारदाताओं की समानुपातिक बाजार हिस्सेदारी

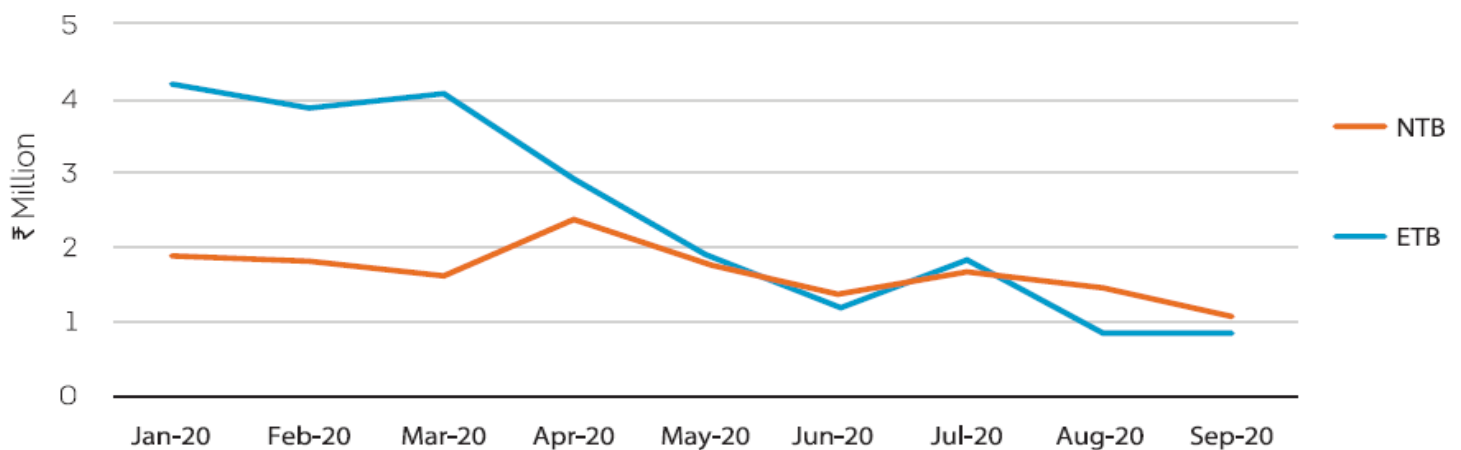


\*अन्य उधारदाता जिन्हें बाजार हिस्सेदारी के विश्लेषण से बाहर रखा गया है

## ऋण के औसत आकार में बदलाव

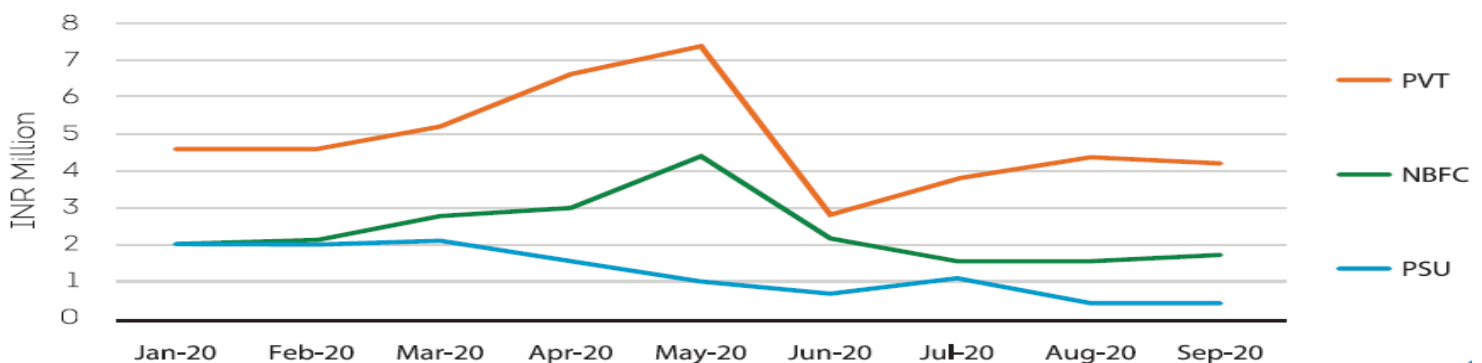
सबसे पहले, ईसीएलजीएस के 20% की अधिकतम सीमा के चलते, औसत ऋण आकार में मौजूदा और नए दोनों उधारकर्ताओं के बीच कमी को देखा गया था। ईटीबी सेगमेंट के औसत ऋण का आकार सितंबर'20 में 40 लाख रुपये से अधिक से घटकर 10 लाख रुपये से कम हो गया। यह गिरावट मोटे तौर पर ईसीएलजीएस के 20% की अधिकतम सीमा के अनुरूप है। एनटीबी सेगमेंट के औसत ऋण आकार भी जनवरी'18 के 18 लाख रुपये से घटकर केवल 10 लाख रुपये से अधिक हो गया है।

### प्रदर्श 19: उधारकर्ता प्रकार के अनुसार ऋण का औसत आकार



उधार देने की इस प्रवणता में यह बदलाव सभी उधारदाताओं में देखा गया है अर्थात सभी ऋणदाता समूहों के लिए एमएसएमई ऋण उत्पत्ति के लिए औसत ऋण का आकार कम हो गया है। भले ही निजी बैंक और एनबीएफसी धीरे-धीरे कोविड-19 औसत ऋण आकार की तरफ वापस आ रहे हैं, तथापि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऋण का न्यून आकार बनाए हुए हैं।

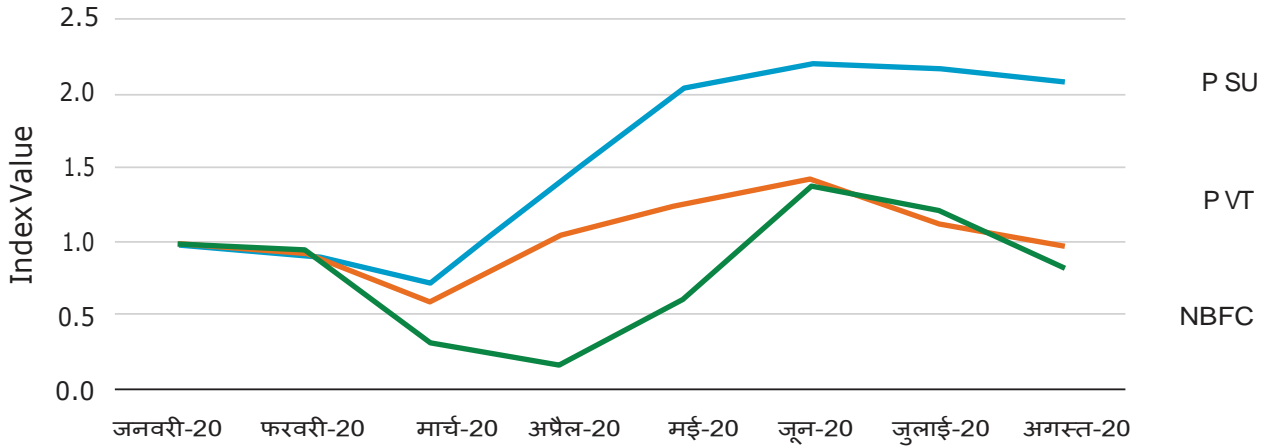
### प्रदर्श 20: उधारदाता प्रकार के अनुसार औसत ऋण आकार की व्युत्पत्ति



## सभी उधारदाताओं में अनुमोदन दरों का बढ़ना

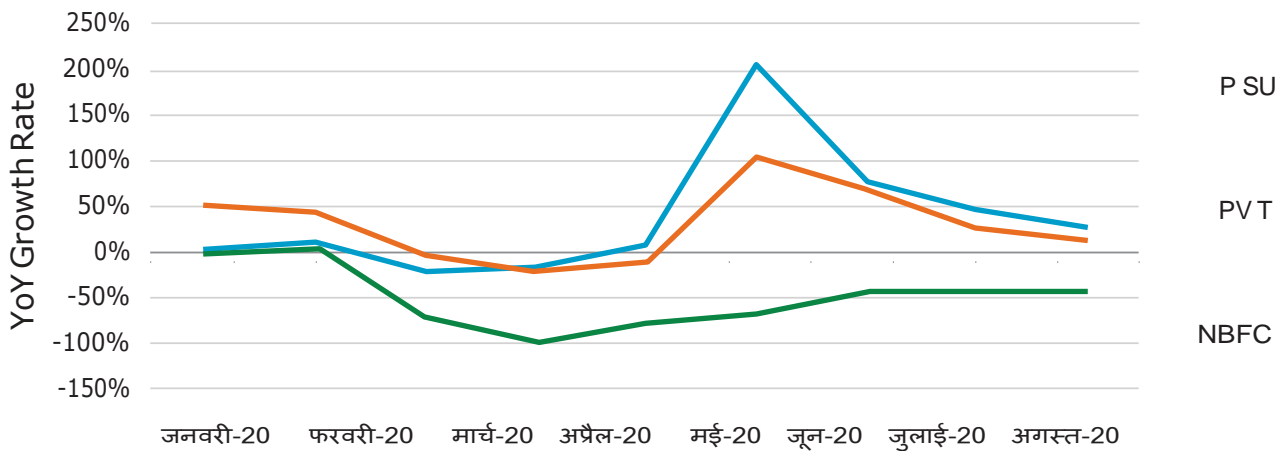
दूसरा, ईसीएलजीएस की 100% क्रेडिट गारंटी के समर्थन के साथ सभी उधारदाताओं में अनुमोदन दर बढ़ गई है। यद्यपि जून '20 की अनुमोदन दरों में प्रारंभिक उछाल के बाद, निजी बैंक और एनबीएफसी धीरे-धीरे कोविड-19 पूर्व के स्तर पर वापस आ रहे हैं, तथापि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अनुमोदन दरें अपने कोविड-19 पूर्व के स्तरों के 2 गुना से अधिक हैं।

### प्रदर्श 21: उधारदाता श्रेणी के अनुसार सूचकांकित अनुमोदन दर



इसके परिणामस्वरूप, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने एमएसएमई ऋणों के प्रवर्तन में बढ़त बनाई है। प्रवर्तन के मामले में, जनवरी/फरवरी 2020 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 20% से नीचे और निजी बैंकों में लगभग 50% की संवृद्धि हुई थी। अप्रैल 2020 से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने माह-प्रति-माह एमएसएमई ऋण प्रवर्तन में अच्छी स्थिति हासिल कर ली थी।

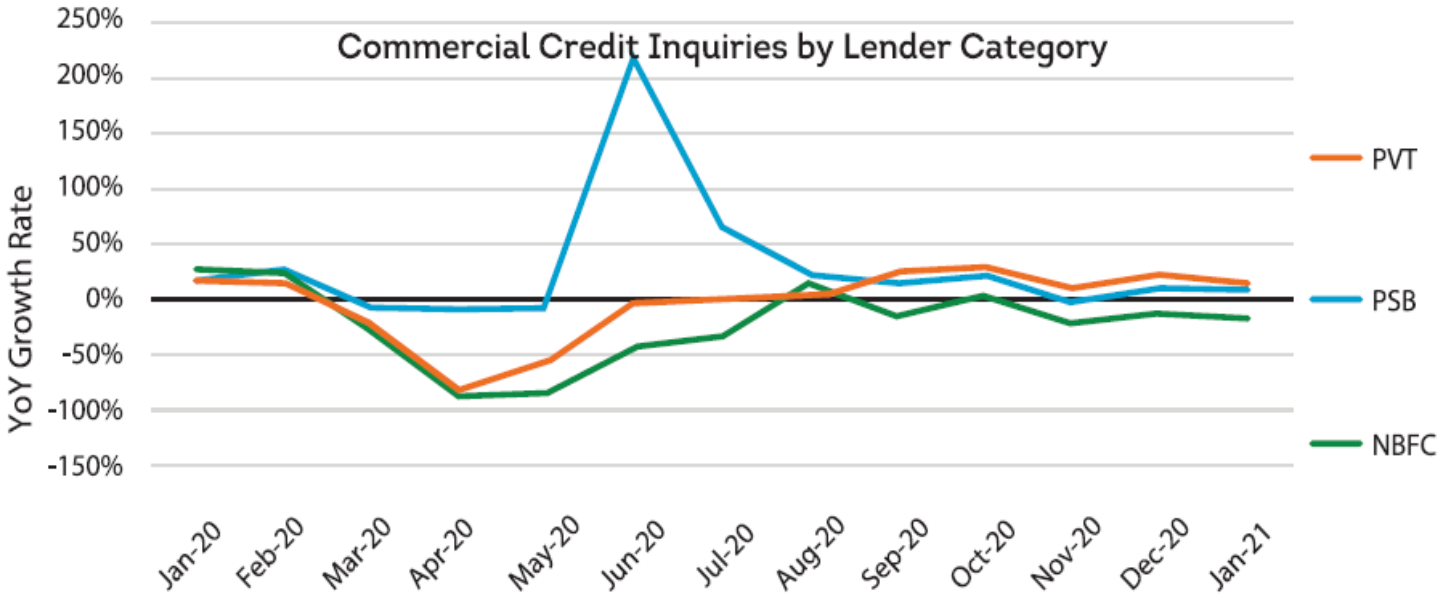
### प्रदर्श 22: उधारदाता श्रेणी के अनुसार उद्भूत शेष राशियों में वर्षानुवर्ष संवृद्धि



<sup>3</sup> इस विश्लेषण में, यदि उधारदाता की कोई पृच्छा 60 दिनों के भीतर उद्भूत ऋण में रूपांतरित कर दी जाती है, तो उसे अनुमोदित मान लिया जाता है

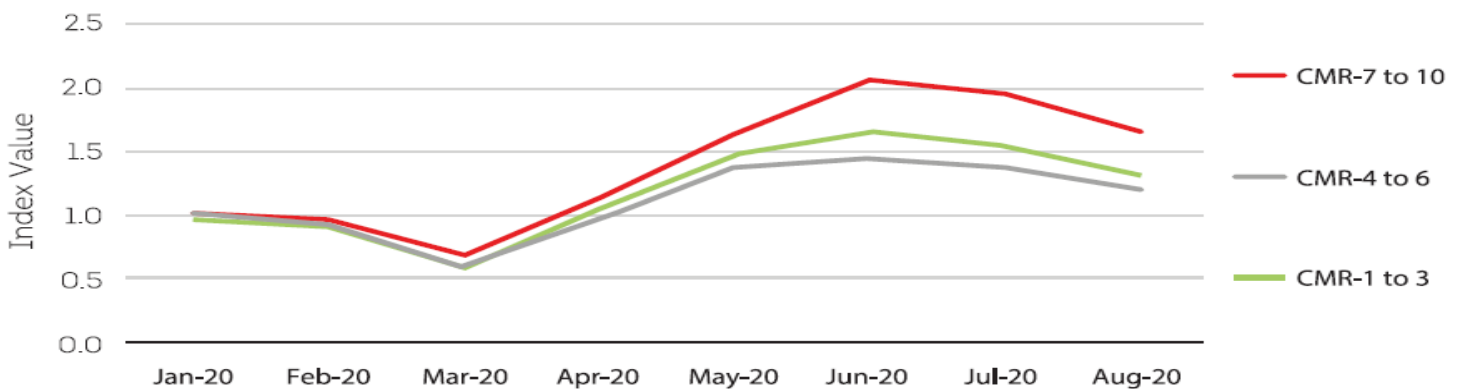
भले ही ऋण की पूछताछ से निकलने वाले शुरुआती संकेत बताते हैं कि निजी बैंकों ने एमएसएमई उधार में बढ़त हासिल कर ली है और दिसंबर 2020 के लिए उनकी ऋण पृच्छाएँ उसी महीने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पृच्छाओं के 9% की दर की तुलना में वर्षानुवर्ष आधार पर 22% बढ़ गई हैं।

**प्रदर्श 23: उधारदाता श्रेणी के अनुसार वाणिज्यिक ऋण के पृच्छाओं की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर**



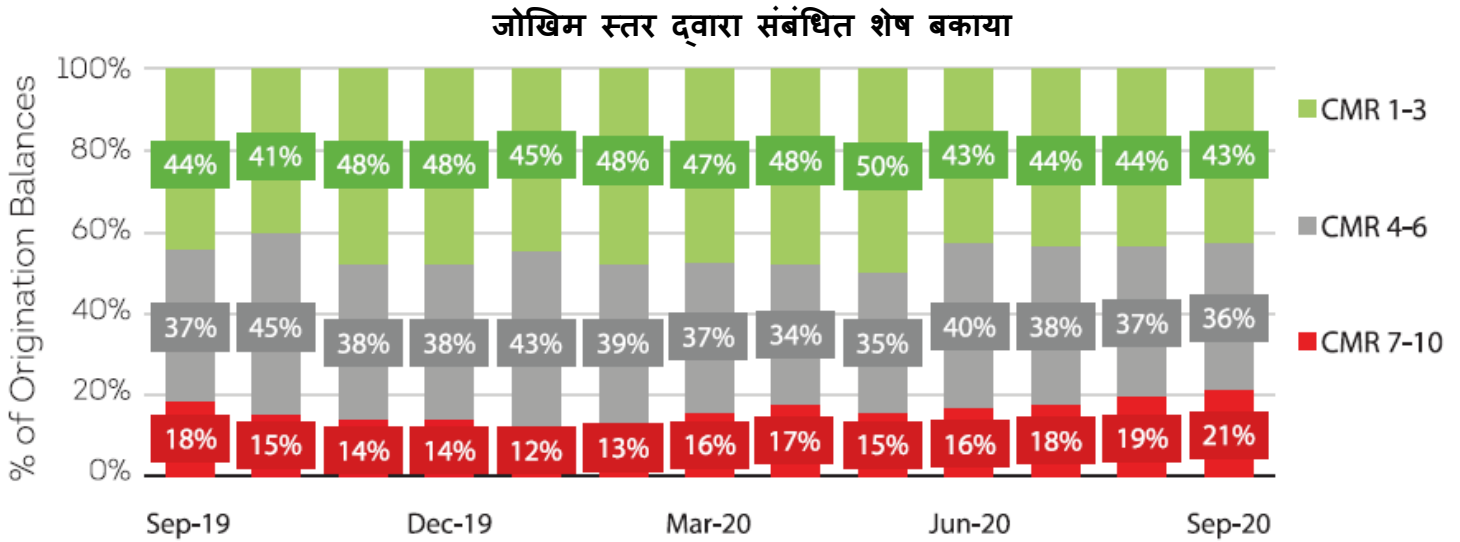
उच्च अनुमोदन दरों के सबसे अधिक लाभार्थी सीएमआर-7 से 10 के साथ उच्च जोखिम घटक वाले एमएसएमई हैं। उनकी अनुमोदन दर, जून -20 में उनके कोविड-19 स्तरों से 2 गुना से अधिक हो गई। तब से, अनुमोदन दरें लगातार गिर रही हैं, लेकिन ये दरें अभी भी कोविड-19 के पूर्व के स्तरों से अधिक पर ही चल रही हैं।

**प्रदर्श 24 : जोखिम स्तर के अनुसार सूचकांकित अनुमोदन दर**



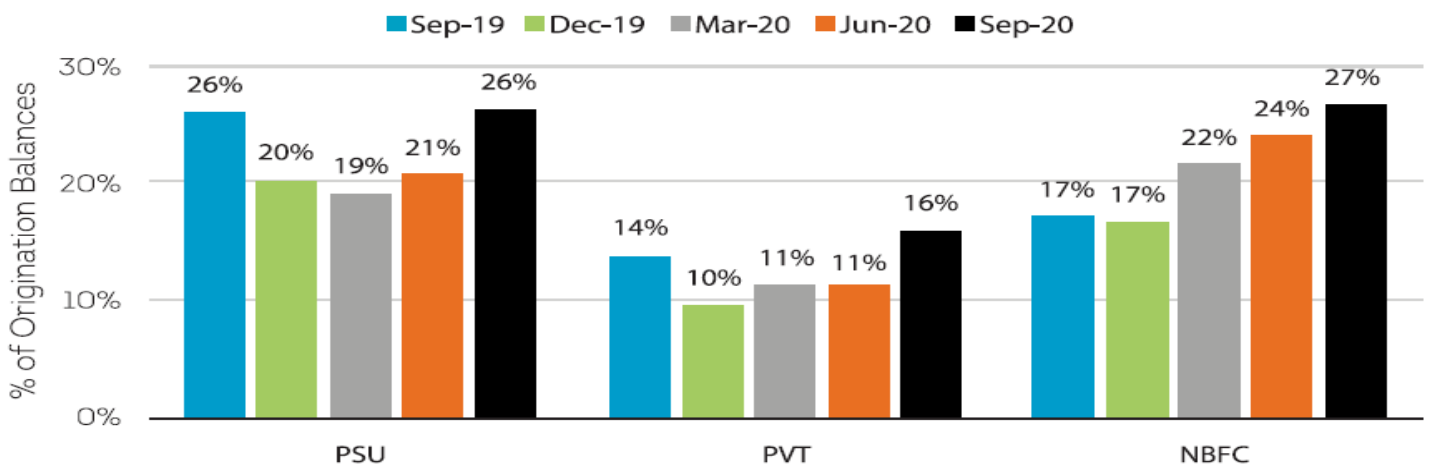
परिणामस्वरूप, महामारी की सर्वाधिक भयानक अवधि के दौरान एक अस्थायी प्रवर्धन के बावजूद, जोखिम-वहन क्षमता महामारी से पूर्व के स्तर पर वापस आ गई है। सीएमआर द्वारा साझा किए गए तत्कालीन ब्यौरों से ज्ञात होता है कि महामारी की प्रारंभिक अवधि में सबसे अधिक जोखिम घटक सीएमआर 7-10 के हिस्से में गिरावट देखने को मिली और कम जोखिम घटक सीएमआर 1-3 में महामारी के शुरुआती अवधि में बढ़त हासिल हुई। पर, अब सीएमआर द्वारा संबंधित ब्यौरों के वितरण से स्थिति कोविड-19 से पूर्व के स्तरों के समान आ गई है।

### प्रदर्श 25: सीएमआर द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के संबंधित आंकड़ों का वितरण



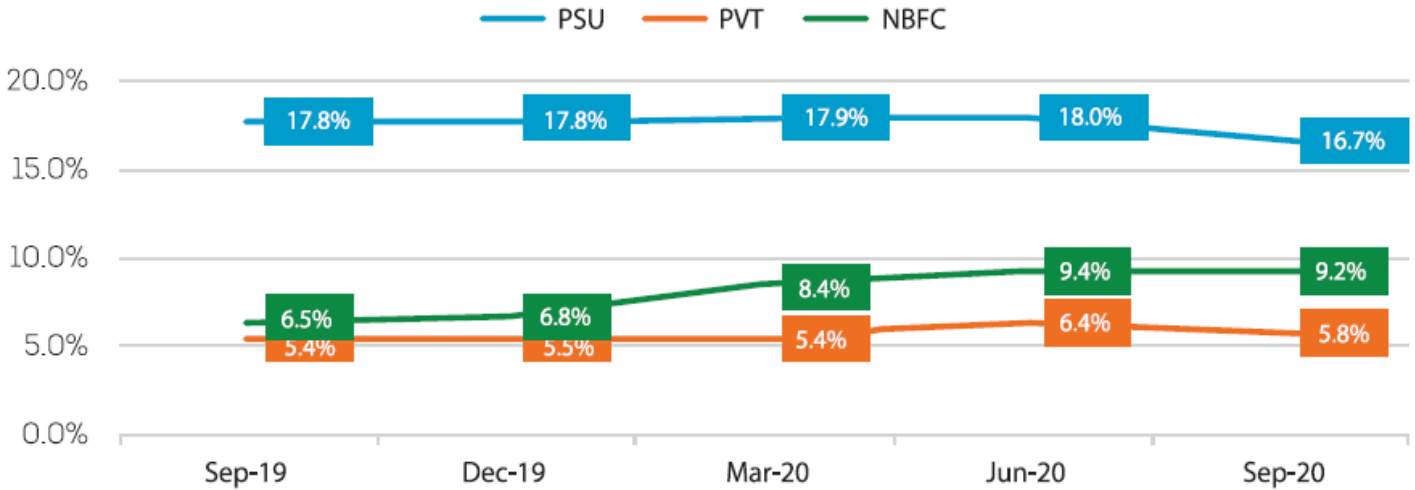
जोखिम संबंधी आरंभिक सख्ती के बाद निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अब पूर्व की ही भाँति अपनी पूर्व की जोखिम-वहन क्षमता पर वापस लौट आए हैं। तथापि एनबीएफसी, संभवतः विस्तारित ब्याज दर के अंतर-पणन के कारण, अपनी जोखिम-वहन क्षमता को व्यापक बना रहे हैं।

### प्रदर्श 26 : ऋणदाता द्वारा प्रवर्तित उच्च जोखिम (सीएमआर 7-10) संबंधी आंकड़े ऋणदाता श्रेणी में उच्च जोखिम (सीएमआर 7-10) संबंधी आंकड़े



जून' 20 की तुलना में सितंबर' 20 में एनबीएफसी को छोड़कर, एमएसएमई घटक -विशेष में सभी ऋणदाताओं की गैर-निष्पादक आस्तियों में कमी आई है। निजी बैंकों की एनपीए दरें जून' 20 में 6.4% से घटकर सितंबर' 20 में 5.8% रह गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एनपीए दरें सितंबर' 20 में 16.7% तक कम हो गई हैं, जो जून'20 में 18.0% थीं। पर, एनबीएफसी ने जून' 20 से सितंबर' 20 तक इसी तरह की एनपीए दरों को दर्शाया है। एनबीएफसी की एनपीए दरों में तेज वृद्धि का एक कारण एमएसएमई ऋण संवृद्धि में उनकी सबसे सुस्पष्ट मंदी है।

### प्रदर्श 27 : एमएसएमई घटक के ऋणदाता समूह में एनपीए की दरें



## निष्कर्ष

वर्ष 2020 में एमएसएमई क्षेत्र की यात्रा डाँवाडोल होकर बेहाल रही है। एक ओर कोविड-19 ने समस्त व्यवसायिक गतिविधियों को प्रभावित किया, वहीं दूसरी ओर सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक की बचावपरक सुदृढ़ अनुक्रियाओं से संवृद्धि के स्तर को उठाने में यथेष्ट राहतस्वरूप सहायता प्राप्त हुई। वर्ष 2020 में, ईसीएलजीएस का प्रवर्तन, अधिस्थगन, पुनर्संरचना, दबावग्रस्त एमएसएमई योजना और चालू खाता खोलने से संबंधित दिशा-निर्देश, टर्नओवर के आधार पर एमएसएमई की नई परिभाषाएं सम्मुख आईं। 2021 में प्रगति की राह पर अग्रसर होने के साथ ही, यहां से एक पूरी तरह से नई यात्रा के शुरु होने की उम्मीद है। एमएसएमई वित्तीयन के इस रूपांतरण में हमें एमएसएमई वित्तीयन की भावी राह को सुदृढ़ बनाने वाले कतिपय उदीयमान संकेत दिखाई दे रहे हैं:

- ईसीएलजीएस की आत्मनिर्भर पहलकदमी से समर्थित ऋण संबंधी मांग कोविड-पूर्व स्तरों तक पुनः पहुँचनी शुरु हो गई है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ईसीएलजीएस के अंतर्गत 100% ऋण गारंटी प्रदान किए जाने की पृष्ठभूमि में एमएसएमई क्षेत्र के निधियन में तेजी लाकर महामारी में शुरुआती लाभ उठाया। 2020 में ईसीएलजीएस की निहित प्रकृति के कारण मौजूदा बैंक ग्राहक क्षेत्र में क्रेडिट की गहरी पैठ देखी गई है। साथ ही, अपेक्षाकृत कम कठोर और छोटे लॉकडाउन के कारण, गैर-मेट्रो क्षेत्र ऋण के पुनरुत्थान में सहायता प्रदान कर रहे हैं।
- सीएमआर में व्यापक अधोगति के कारण ऋण-जोखिम के दृष्टांत बढ़ रहे हैं। एमएसएमई घटक में पिरामिड के निचले स्तर पर और विवेकाधीन उपभोक्ता खर्च वाले क्षेत्रों में अवनति की स्थिति अधिक दिखाई देती है। एनपीए की दरें अभी तक सपाट हैं, लेकिन दिशा-निर्देशों के जारी होने के साथ ही, इनमें परिवर्तन अवश्यभावी होंगे।
- एमएसएमई के स्वरूप और इसकी निधियन संबंधी गतिकी में परिवर्तन हुए हैं। न केवल ईटीबी घटक के लिए, बल्कि एनटीबी घटक के लिए भी औसत ऋण के आकार संकुचित हुए हैं। संपूर्ण क्षेत्र में अनुमोदन संबंधी दरों में वृद्धि हुई, उच्च जोखिम वाले एमएसएमई उद्यमी सबसे बड़े लाभार्थी हैं। निजी बैंक और एनबीएफसी कोविड-पूर्व अनुमोदन दरों को अपना रहे हैं, वहीं पीएसबी अपने कोविड-पूर्व प्रयोज्य दरों की तुलना में दोगुना अनुमोदन-दरों को जारी रख रहे हैं। जोखिम-वहन की क्षमता सामान्य स्तर पर पुनः आने लगी है। तथापि, एनबीएफसी अपेक्षाकृत अधिक जोखिम स्वीकार कर रहे हैं।



## अस्वीकरण

यह एमएसएमई पल्स रिपोर्ट (रिपोर्ट) ट्रांसयूनियन सिबिल लिमिटेड (टीयू सिबिल) ने तैयार की है। रिपोर्ट को देखने और उपयोग करके उपयोगकर्ता यह स्वीकार एवं पुष्टि करता है कि यह उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट जानकारी के परितुलन पर आधारित है, जो वस्तुतः टीयू सिबिल के सदस्य क्रेडिट संस्थानों द्वारा प्रदान की गयी हैं। यद्यपि टीयू सिबिल रिपोर्ट तैयार करने में उचित सावधानी बरतता है, तथापि टीयू सिबिल सटीकता, त्रुटियों और / या क्रेडिट संस्थानों द्वारा उन्हें प्रस्तुत त्रुटिपूर्ण या अपर्याप्त जानकारी के कारण हुई चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। इसके अलावा, टीयू सिबिल किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही टीयू सिबिल रिपोर्ट की किसी भी निविष्टि पर निर्भरता के लिए जिम्मेदार है और टीयू सिबिल इस तरह के सभी उत्तरदायित्वों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद को निरस्त करने / उसे अस्वीकार करने या उसकी स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही (i.) उधार देने या न देने के लिए टीयू सिबिल की कोई सिफारिश है ; (ii) संबंधित व्यक्ति / संस्था के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार करने या नहीं करने के लिए भी कोई सिफारिश नहीं है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले स्वयं की राय में विवेकपूर्ण सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का प्रयोग ऋण सूचना संबंधी कपनियों के (विनियम) अधिनियम, 2005, ऋण सूचना संबंधी कपनियों के विनियम, 2006, ऋण सूचना संबंधी कपनियों के लिए नियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार अभिशासित है। पूर्व अनुमोदन के बिना रिपोर्ट के किसी भी अंश की प्रतिलिपि न तो बनाई, परिचालित, प्रकाशित की जानी चाहिए।

 **TransUnion CIBIL**

TransUnion CIBIL Limited  
[Formerly: Credit Information Bureau (India) Limited]  
CIN: U72300MH2000PLC128359

P: 6638 4600  
F: 6638 4666  
W: [transunioncibil.com](http://transunioncibil.com)